

वैचारिक पुं. (तत्.) 1. विचार-संबंधी; न्याय-विभाग और उसके विचार या व्यवहार-दर्शन से संबंध रखने वाला जैसे- वैचारिक व्यवहार 2. किसी सिद्धांत के आधारभूत विचार।

वैचारिकी स्त्री. (तत्.) न्याय-विभाग में काम करने वाला अधिकारी वर्ग, विचारधारा, विचार पद्धति।

वैचित्य पुं. (तत्.) विचित्रता, रंग-बिरंगा होने का भाव, विलक्षण होने का भाव, मानसिक विकलता, बेहोशी, शोक, अन्यमनस्कता, संज्ञाहीनता चित्त की भ्रांति, भ्रम, अनमनापन।

वैचित्र्य वि. (तत्.) विचित्र होने या लगने का गुण, अनोखापन पुं. विचित्रता, विलक्षणता, विभिन्नता, आश्चर्य, नैराश्य, सुंदरता।

वैजयंत पुं. (तत्.) 1. इंद्र की पुरी का नाम 2. इंद्र का झंडा, पताका, झंडा 4. घर 3. अग्निमंथ वृक्ष, अरणी।

वैजयंतिक पुं. (तत्.) झंडा उठाने वाला, ध्वजवाहक।

वैजयंतिका स्त्री. (तत्.) 1. झंडा, पताका, ध्वज 2. मोतियों का हार 3. जयंती वृक्ष. अरणी 4. प्रतियोगिता आदि में विजय का सूचक उपहार चिह्न, बिल्ला।

वैजयंती स्त्री. (तत्.) 1. पताका, झंडी, झंडा, ध्वज 2. पाँच रंगों के फूलों की एक प्रकार की माला, भगवान विष्णु की माला, हार 3. एक शब्द कोश का नाम।

वैजयिक वि. (तत्.) विजय संबंधी।

वैजात्य वि. (तत्.) विजाती होने का भाव, वर्ण भेद, विजातीयता, जातिगत विभिन्नता, विजातीय होने का, जाति बहिष्कार, बदचलनी, लंपटता, विलक्षणता, दुश्चरित्रता।

वैज्ञानिक पुं. (तत्.) 1. विज्ञान वेत्ता, विज्ञानी, वह जो विज्ञान का अच्छा ज्ञाता है 2. निपुण, दक्ष, चतुर, कुशल 3. व्यवस्थित, क्रमबद्ध वि. 1. विज्ञान संबंधी, विज्ञान का विज्ञान के क्षेत्र, प्रक्रिया, सिद्धांत आदि से संबंध रखने वाला।

वैडाल व्रत पुं. (तत्.) पाप तथा कुकर्म करते हुए भी ऊपर से साधु बना रहना, बैडाल, पाखंडी, बिलाव संबंधी।

वैण पुं. (तत्.) बँसोड़, वेणु-शिल्पी, बाँस की चीजे बनाने वाला, बाँस से संबंधित, बाँस का।

वैणव वि. (तत्.) बाँस से उत्पन्न या बाँस का बना हुआ, बाँस का फल या बीज।

वैणविक पुं. (तत्.) वंशी बजाने वाला, बाँसुरी वादक।

वैणिक पुं. (तत्.) 1. बीन बजाने वाला 2. वीणा वादक, वीणा बजाने वाला 3. वंशी वादक, वंशी बजाने वाला पुं. 1. बाँस का काम करने वाला, बँसोड़, बाँस का डंडा जो यज्ञोपवीत के समय धारण किया जाता है 2. वेणु, वंशी, बाँसुरी, मुरली।

वैणुक पुं. (तत्.) 1. हाथी का अंकुश 2. वंशी बजाने वाला, वंशीवादक।

वैतंडिक पुं. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जो व्यर्थ का ही झगड़ा, विवाद या वितंडा करता हो, वितंडावादी।

वैतत पुं. (तत्.) वह तत्व।

वैतत्य पुं. (तत्.) वितति, विस्तार।

वैतथ्य पुं. (तत्.) 1. मिथ्यात्व, झूठ, निरर्थकता 2. विफलता, असफलता।

वैतनिक पुं. (तत्.) तनखाह लेकर काम करने वाला, नौकर, भृत्य वि. वेतन-संबंधी, वेतन का वेतनभोगी।

वैतरणी स्त्री. (तत्.) 1. एक पौराणिक नदी जो यम के द्वार पर है 2. कलिंग देश की एक नदी।

वैताल पुं. (तत्.) 1 वह स्तुति पाठक जो राजाओं की स्तुति करके उन्हें जगाता था, बंदी जन, भाट 2. मदारी, ऐंद्रजालिक, जादूगर वि. आय-व्यय आदि की व्यवस्था से संबंध रखने वाला, वित्त-संबंधी, वित्त का, वैत्तिक।